(b) A statement is laid on the Table of the Sabha. *(See* below) Statement

S. No.	On-going projects for conversion of Metre-Gauge into Broad-Gauge
1.	Gunture-Macherla
2.	Varanasi-Bhatni
3.	Mysore-Bangalore
A.	Manmad-Parbhani-Parli Vaijnath
5.	Samastipnr-Darbhangai
6.	Kashipur-Lalkua
7.	Parbhani-Purna & Mukbed-Adiabad conversion & Purna-Mudkh«d parallel B. G. line.
8.	Nadiad-Kapadvanj.

Unking of entrepreneurship with Vocafionalisation

*93. DR. RATNAKAR PANDEY: SHRI CHANDRIKA PRASAD TRIPATHI:

Will the Minster of HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT be pleased to state:

(a) whether Government have decided that entrepreneurship education should be linked with vocationalisation at the plus two stage of school education;

(b) whether Government have also decided that suitable programme of entrepreneurship training should be introduced at a higher level of education in Universities and technical and management institutions; and

(c) if so, whit follow up action has been taken in this regard?

THE MINISTER OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT (SHRI P. SHIV SHANKER): (a) to (c) The National Policy on Education has envisaged training in entrepreneurship at degree or diploma level in techmioal education for those who may consider self-emn'oyment as a career option. The Programme of Action has envisaged entrepreneurship development programme for vocational students. Recently a consultation meeting with experts and academics was held in the Ministry to consider in detail the manner in which this can be expeditiously done. The NCERT has already given emphasis to entrepreneurship development in the Fundation Course for vocational students. States are expected to incorporate the Foundation Course into the vocational education programme.

दिल्ली परिवहन निगम द्वारा जारी की गयी त्रुटिपूर्ण बस-रूट गाइड

*94. श्री आनन्द प्रकाश गौतम : क्या जल भूतल परिवहन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि दिल्ली परिवहन निगम द्वारा अक्तूबर, 1988 में जारी की गई नई बस रूट गाइड में संशोधित रूट मैप नहीं दिया गया है तथा विभिन्न बस रूटों के प्रथम तथा अन्तिम फेरों का समय भी नहीं दर्शाया गया है,

(ख) क्या यह भी सच है कि इस रूट गाइड में त्रुटिपूर्ण जानकारी दी गई है और यह केवल जुलाई 1988 तक की है जोकि अपूर्ण भी है, यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं ;

(ग) क्या सरकार शीघ्र ही एक "अनुपूरक रूट-गाइड" प्रकाशित कराने तथा उसे यात्रियों को उपलब्ध कराने का विचार रखती है जिसमें प्रत्येक रूट पर चलने वाली बसों की संख्या , दोनों ओर से इन बसों के प्रथम तथा अन्तिम फेरों का समय तथा रूट मैप दिया गया हो, और

(घ) यदि हां, तो इस संबंध में ब्योरा क्या है, और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं ?

जल-भूतल परिवहन मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री राजेश पायलट) : (क) और (ख) यह सच है कि रूट गाइड 1988 में में पहले और अंतिम ट्रिप का समय नहीं दर्शाया गया है । रूट गाइड में जुलाई 1988 तक की सूचना शामिल की गई है और मुद्रण के लिए अपेक्षित समय के कारण प्रकाशन के समय तक की सूचना शामिल कर पाना संभव नहीं है ।